सामाजिक विज्ञान

कक्षा 6

Chapter 8: विविधता में एकता या 'एक में अनेक'

To get notes visit our website

mukutclasses.in

प्रश्न, क्रियाकलाप और परियोजनाएँ

प्रश्न 1. पाठ के आरंभ में दिए गए दो उद्धरणों पर कक्षा में चर्चा कीजिए।
उत्तर:- इन दोनों उद्धरणों में भारत की विविधता में निहित एकता की सुंदर अभिव्यक्ति है, जो हमारे देश की विशेषता रही है। कक्षा में चर्चा करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को उठाया जा सकता है:

टैगोर का उद्धरण:
1. रवींद्रनाथ टैगोर 'अनेकता में एकता' को आनंद का स्पर्श मानते हैं।
2. वे यह प्रार्थना करते हैं कि इस सौंदर्यपूर्ण विविधता में छिपे एकता के भाव को हम कभी न खो दें।
3. यह उद्धरण मानवता, सहिष्णुता और आपसी समझ को प्रोत्साहित करता है।

श्री अरविंद का उद्धरण:
1. वे विविधता में एकता को भारत की प्रकृति और अस्तित्व का आधार मानते हैं।
2. "एक में अनेक" का भाव यह दर्शाता है कि विभिन्न धर्म, भाषा, संस्कृति और रीति-रिवाजों के होते हुए भी भारत एक राष्ट्र के रूप में एकजुट है।
3. यह उद्धरण भारत की आत्मा और संस्कृति की गहराई को दर्शाता है।

प्रश्न 2. राष्ट्रगान को पढ़िए। इसमें आप विविधता एवं एकता को कहाँ-कहाँ देखते हैं?इस पर दो अथवा तीन अनुच्छेद लिखिए।
उत्तर: "जन गण मन" में विविधता और एकता का बहुत सुंदर चित्रण मिलता है। राष्ट्रगान में भारत के विभिन्न क्षेत्रों — पंजाब, सिन्धु, गुजरात, मराठा, द्राविड़ (दक्षिण भारत), उत्कल (ओड़िशा) और बंगाल — का उल्लेख किया गया है। यह दिखाता है कि देश में भाषा, भूगोल और संस्कृति की विविधता है, फिर भी ये सब एक सूत्र में बंधे हुए हैं। राष्ट्रगान यह संदेश देता है कि भिन्नता के बावजूद सबका भाग्य एक है और सब मिलकर भारत माता की जयगाथा गाते हैं।

इसके अलावा, "विन्ध्य हिमाचल यमुना गंगा" जैसे प्राकृतिक प्रतीकों का वर्णन भी भारत की भौगोलिक विविधता को दर्शाता है। पर्वत, नदियाँ, सागर — सब मिलकर भारत की एकता को मजबूत बनाते हैं। इस तरह, राष्ट्रगान न केवल भारत के विभिन्न प्रदेशों और विशेषताओं का सम्मान करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि पूरी विविधता के बीच हम सब एक हैं — भारतवासी हैं।

प्रश्न 3. पंचतंत्र की कुछ कहानियाँ चुनिए और चर्चा कीजिए कि उनके संदेश किस प्रकार आज भी प्रासंगिक हैं। क्या आप अपने क्षेत्र से संबंधित कोई अन्य कहानियाँ भी जानते हैं?
उत्तर: पंचतंत्र की प्रसिद्ध कहानियाँ चुनते हैं और उनके आज के समय में प्रासंगिक संदेश पर चर्चा करते हैं:

1. "मित्रभेद" – शेर और सियार की कहानी
यह कहानी एक शेर और उसके सलाहकार सियारों के बीच विश्वासघात और चालाकी को दिखाती है।
संदेश: दोस्ती में विश्वास जरूरी है, लेकिन अंधविश्वास और झूठे सलाहकारों से सतर्क रहना चाहिए। आज के समय में भी, चाहे व्यवसाय हो या निजी जीवन, सही मित्र चुनना बहुत महत्वपूर्ण है।

2. "कौए और हंस की कहानी"
एक कौआ, सुंदर हंस की नकल करने की कोशिश करता है लेकिन असफल होता है।
संदेश: अपनी पहचान बनाए रखना जरूरी है; दूसरों की नकल करने से सफलता नहीं मिलती। आज भी सोशल मीडिया के दौर में, जब लोग दूसरों की तरह बनने की होड़ में हैं, यह कहानी बहुत अर्थपूर्ण है।

3. "कछुआ और हंस"
हंस उड़कर कछुए को ले जाना चाहते हैं, लेकिन कछुआ अपनी बोलने की आदत नहीं छोड़ता और गिरकर जान गंवा बैठता है।
संदेश: अनुशासन और संयम आवश्यक हैं। आज भी, जल्दबाज़ी और बिना सोच-विचार के बोलना या काम करना नुक़सानदायक हो सकता है।

मेरे क्षेत्र से जुड़ी लोककथाओं में "अकबर-बीरबल" की कहानियाँ बहुत प्रसिद्ध हैं।
बीरबल की चतुराई और बुद्धिमत्ता पर आधारित किस्से आज भी हमें यह सिखाते हैं कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य और सूझबूझ से समाधान ढूँढा जा सकता है। ये कहानियाँ भी पंचतंत्र जैसी नैतिक शिक्षा देती हैं।

प्रश्न 4. अपने क्षेत्र से कुछ लोककथाएँ एकत्रित कीजिए एवं उनके संदेशों पर चर्चा कीजिए।
उत्तर:- अपने क्षेत्र से कुछ लोककथाएँ और उनके संदेश–

1. हीर-रांझा (पंजाब क्षेत्र):- हीर और रांझा की प्रेम कथा भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे प्रसिद्ध प्रेम कहानियों में से एक है। यह कहानी दो प्रेमियों के सामाजिक बंधनों और परिवार के विरोध के बीच संघर्ष को दर्शाती है।
संदेश:
1. सच्चे प्रेम के लिए त्याग और संघर्ष आवश्यक हैं।
2. सामाजिक रूढ़ियों के विरुद्ध जाकर भी प्रेम और सच्चाई का सम्मान करना चाहिए।
3. प्रेम में समानता और आत्मबलिदान का मूल्य है।

2. राजा नल और दमयंती (महाभारत से जुड़ी कथा):- राजा नल और दमयंती की कथा प्रेम, विश्वास, और कठिनाइयों के बीच स्थिरता की कहानी है। नल अपने भाग्य और परिस्थितियों से जूझते हैं लेकिन दमयंती के प्रेम और धैर्य से अंत में पुनः एकजुट होते हैं।
संदेश:
1. सच्चा प्रेम समय की परीक्षा में खरा उतरता है।
2. धैर्य, विश्वास और परस्पर सहयोग से किसी भी कठिनाई को पार किया जा सकता है।

3. शेर और लकड़हारा (लोककथा):- एक बार एक लकड़हारा जंगल में फँसे एक शेर को बचाता है। बाद में वही शेर उसकी ईमानदारी और साहस को देखकर उसका मित्र बन जाता है और उसकी मदद करता है।
संदेश:
1. करुणा और सहायता का भाव किसी को भी मित्र बना सकता है, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो।
2. संकट में मदद करना भविष्य में आपके लिए शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

4. मोहन और नागराज (हरियाणा की लोककथा):- मोहन नामक एक साधारण लड़का नागराज की मदद करता है। नागराज उसे आशीर्वाद स्वरूप एक विशेष वरदान देता है, जिससे मोहन का जीवन सुखी और समृद्ध हो जाता है।
संदेश:
1. निस्वार्थ सेवा और सद्भावना का फल अवश्य मिलता है।
2. दूसरों के प्रति दया और विनम्रता जीवन में सुख लाती है।

5. सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र (उत्तर भारत में लोकप्रिय):- राजा हरिश्चंद्र सत्य के पालन के लिए अपने राज्य, परिवार, और स्वयं की सारी संपत्ति तक का त्याग कर देते हैं। वे अनेक कठिनाइयों का सामना करते हैं लेकिन सत्य से कभी विचलित नहीं होते।
संदेश:
1. सत्य और धर्म के मार्ग पर चलना सर्वोच्च कर्तव्य है।
2. कठिन परिस्थितियों में भी सिद्धांतों पर अडिग रहना चाहिए।

प्रश्न 5. क्या आपने किसी प्राचीन कहानी को कला के माध्यम से दर्शाते या चित्रित होते हुए देखा है? यह एक मूर्तिकला, चित्रकला, नृत्य प्रस्तुति या कोई चलचित्र भी हो सकता है। अपने सहपाठियों के साथ कक्षा में चर्चा कीजिए।

उत्तर:- हां! **"नटराज की कथा"** को कला के माध्यम से दर्शाते या चित्रित होते हुए देखा है

नटराज - नृत्य करते भगवान शिव

संवाद:

"नमस्कार मित्रों,

मैं आज आपको 'नटराज' की कहानी और उससे जुड़ी कला के बारे में बताना चाहता हूँ।

'नटराज' भगवान शिव का वह रूप है जिसमें वे आनंद तांडव करते हैं। उनका यह नृत्य पूरे ब्रह्मांड के सृजन, संरक्षण और संहार का प्रतीक माना जाता है।

इस कथा को हम मूर्तिकला के माध्यम से देख सकते हैं — खासकर दक्षिण भारत की प्रसिद्ध कांस्य मूर्तियों में, जहाँ शिव को नृत्य करते हुए एक वृत्त के भीतर दिखाया गया है। उनके चार हाथ हैं, जिनमें वे डमरू और अग्नि धारण करते हैं। यह नृत्य जीवन के निरंतर परिवर्तन को दर्शाता है।

यह मूर्ति और इसकी कथा हमें सिखाती है कि परिवर्तन संसार का नियम है। नटराज का नृत्य हमें यह भी प्रेरणा देता है कि जीवन में संतुलन और लय बनाए रखना आवश्यक है।

प्रश्न 6. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्वतंत्रता से पहले भारत के कई भागों की यात्रा के उपरांत कही गई निम्न पंक्तियों पर कक्षा में चर्चा कीजिए –

> **हर जगह मुझे एक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि मिली, जिसने उनके जीवन पर प्रभावशाली असर डाला। ... भारत के महाकाव्य, रामायण एवं महाभारत और अन्य प्राचीन पुस्तकें, लोकप्रिय अनुवादों और व्याख्याओं में जनता के बीच व्यापक रूप से जानी जाती थीं। उनमें उपस्थित प्रत्येक लोकप्रिय घटना, कहानी और नैतिकता की बातें जनमानस के अंतर्मन पर अंकित थीं जो कि उसे सार्थक एवं समृद्ध बनाती थीं। निरक्षर ग्रामीणों को भी सैकड़ों श्लोक कंठस्थ थे एवं उनकी आपसी बातचीत में इन महाकाव्यों अथवा कुछ पुरानी कालजयी कहानियों के संदर्भों की प्रचुरता होती थी जो नैतिकता को प्रतिस्थापित करती थीं।**

उत्तर: जवाहरलाल नेहरू ने भारत भ्रमण के दौरान अनुभव किया कि भारत की सांस्कृतिक परंपराएँ लोगों के जीवन में गहराई से रची-बसी थीं। रामायण, महाभारत और अन्य ग्रंथों की कहानियाँ निरक्षर ग्रामीणों तक को कंठस्थ थीं और उनकी बातचीत में नैतिक शिक्षाएँ झलकती थीं। इन महाकाव्यों ने जनमानस को नैतिकता, सत्य और धर्म जैसे जीवन मूल्यों से जोड़कर एक सांस्कृतिक एकता प्रदान की, जो आज भी भारतीय समाज की गहरी पहचान है।